

मिर्गी के मरीजों का मददगार होगा ऐप

दबंग रिपोर्टर • मुंबई

मिर्गी (एपलेप्सी) के मरीजों की सुरक्षा और उनके तत्काल उचार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देने वाला 'ईपी डिटेक्ट' नाम के एक ऐप को एपिलेप्सी फाउंडेशन ने लांच किया है। इस ऐप से मरीज के मोशन से जीपीएस सिस्टम द्वारा मरीज को ट्रैक किया जा सकता है और घटना स्थल पर मरीज की साहयता की जा सकती

है। भारत में 11.2 मिलियन लोग इस रोग से पीड़ित हैं जिनमें 2.5 लाख लोग केवल महाराष्ट्र के हैं। इसे ध्यान में रखते हुए एपिलेप्सी फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. निर्मल सूर्य ने 11 से 17 नवंबर तक राष्ट्रीय एपिलेप्सी सप्ताह का आयोजन किया, जहां ईपी डिटेक्ट नाम के इस ऐप को लांच किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लोगों को इस ऐप के बारे में जानकारी दी गई।

मोबाइल पर ऐप की होगी फ्री डाउनलोडिंग

यह ऐप गूगल प्लेस्टोर पर उपलब्ध है, जिसे निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। यह ऐप मरीज के मेडिकल हिस्ट्री को मॉनिटर करेगा और जब कभी मरीज को दौरा पड़े तो उसे रेकॉर्ड करके एसएमएस के द्वारा चिकित्सक और देखभालकर्ता के पास उसका विवरण भेजेगा। इस पर एपिलेप्सी के उपचार



हेतु इस्तेमाल होने वाली दवाओं और इनके संभावित साइड इफेक्ट की जानकारी उपलब्ध होगी। यह मरीजों को दवाएं लेने और उनके चिकित्सकों से मिलने का समय भी याद दिलाएगा। इतना ही नहीं दूरदराज गांव में बैठा मरीज भी इस ऐप के जरिए ट्रैक किया जा सकता है जिसने अपनी दवाइयां बीच में छोड़ दी हैं।